MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:27 FEB. 2026

नईदुनिया

माखनलाल विश्वविद्यालय में मेगा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव, प्रमुख मीडिया संस्थानों ने की चयन प्रक्रिया

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में 12 से 25 फरवरी के बीच चरणबद्ध रूप से मेगा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया।

यह ड्राइव मई-जून 2025 पासआउट तथा वर्ष 2026 के अंतिम सेमेस्टर के यूजी और पीजी विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई। प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कार्यक्रम विश्वविद्यालय के रामानुजन सभागार में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्लेसमेंट सेल की प्रमुख प्रो. कंचन भाटिया ने बताया कि दृष्ट24, विस्तार न्यूज, अमर उजाला, दैनिक जागरण (डिजिटल), हरिभूमि और राज एक्सप्रेस जैसे प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों ने अलग-अलग दिनों में परिसर पहुंचकर लिखित परीक्षा, समूह चर्चा और साक्षात्कार के माध्यम से चयन प्रक्रिया संचालित की। इस ड्राइव में भोपाल मुख्य परिसर के साथ रीवा और दतिया परिसर के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

चयन प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों को डिजिटल पत्रकारिता, कंटेंट निर्माण, मीडिया उद्योग की आवश्यकताओं और इंटरव्यू की तैयारी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने भविष्य में नेटवर्क18 सहित अन्य बड़े मीडिया नेटवर्क और विज्ञापन कंपनियों को भी आमंत्रित करने की बात कही है।

कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने इसे विद्यार्थियों के करियर निर्माण की दिशा में अहम कदम बताया। प्लेसमेंट ड्राइव में एंकर, रिपोर्टर, डिजिटल प्रोड्यूसर, कॉपी राइटर, वीडियो एडिटर और सोशल मीडिया एग्जीक्यूटिव सहित विभिन्न पदों के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की गई।

एमसीयू में डॉ. अश्विनी सरदाना ने देखे सौ साल पुराने दुर्लभ अखबार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में अमेरिका से आए डॉ. अश्विनी सरदाना ने 'सदी साक्षी है' प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

यह प्रदर्शनी पिछले सौ वर्षों में भारत में घटी महत्वपूर्ण घटनाओं के फ्रंट पेज पर आधारित है। डॉ. सरदाना ने कहा कि सौ साल पुराने दुर्लभ अखबार केवल मीडिया विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि हर भारतीय के लिए रोमांचकारी दस्तावेज हैं। इनमें भारत के स्वाधीनता संग्राम, स्वतंत्र भारत के निर्माण और राजनीतिक उतार-चढ़ावों के साक्षात प्रमाण मिलते हैं। उन्होंने कहा कि इन अखबारों के माध्यम से हर दशक के सामाजिक और राजनीतिक बदलावों को स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है। 1989 में गांधी

मेडिकल कॉलेज से एमडी करने के बाद अमेरिका में बसे डॉ. सरदाना वर्तमान में वाशिंगटन स्थित जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी के मेडस्टार हेल्थ में सेवारत हैं। उनके पिता डॉ. सी.के. सरदाना भेल में कार्यरत रहे और बाद में एमसीयू में कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन पढ़ाया। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विश्वविद्यालय की 35 वर्षों की उपलब्धियों और मीडिया क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी दी। वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश श्रोती भी उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK NAIDUNIYA'27 FEBRUARY.2026